NPE-92:

1992 में पुन एक शिक्षा नीति बनायी गयी और इसे नयी शिक्षा नीति का नाम दिया गया जबकि लगभग सारी बाते 86 की ही थी परन्तु कुछ अन्तरो के साथ इस Policy को भी शिक्षा तथा शिक्षक-शिक्षा के लिए क्रियान्वित किया गया जिसकी निम्न बाते है

- Quality of Teacher Education
- अध्यापकों के कार्य और उनके अच्छी आर्थिक स्थिति
- शिक्षक को जबावदेही होगी, विद्यार्थियों के प्रति, इसके माता पिता के प्रति और खुद अपने व्यवसाय के प्रति।
- Teacher को अपने profession में Competency, accountability (जवाबदेही) aptitude & febarable attitude अनूकुल अभिवृत्ति को बनाये रखना।
- योग्य Teachers की भर्ती पर जोर दिया जाय तथा मौजूदा In-service में कार्यरत Teachers की Training करायी जाय।

Teacher Education have three requirment

- Training input in academic
- Training Input in Psychology
- Research & development

दूसरी बात Pre-service & In service Programm + Curriculum organising कराने के लिए इन संस्थानो को जिम्मेदारी सौपी NCERT, SCERT, NCTE, DIETs.

At Elementary level: पर DIETs को यह Program कराने की Responsib...

- Pre service Teacher Training
- In service Teacher Training
- Adulte Education
- Non-formal Education

Adult Edu. & Non formal Edu में Training, Instructor द्वारा इनके Supervisior को दी जाती है इसके बाद Instructor Teacher तथा Stu. दोनो को Training कराता है।

- formal Education में Countinutally (Time to time) होता है
- Head of Instructur को भी Refresher के माध्यम से Training दी जाती है।

Secondary laivel.

Responsibility — NCTE — collaborats
University — collage

Preservice — NCERT, SCERT, curriculum & Time Time पर Teachers को update करते है।

Approaches to Teachers Developments:

(1) Self directional developments — स्वं निर्देशित विकास

स्व निर्देशित विकास में व्यक्ति को इन चीजों जैसे Planning, Implimenting and education their affort के प्रति प्राथमिक जिम्मेदारी होती है कि वह Individual चीजों को Planning कैसे कर रहा है तथा उसका Implimenting कब करेगा, किसके लिए और कैसे करेगा तथा साथ ही उसको उसकी क्षमताओं का भी मूल्यांकन करने की प्राथमिक जिम्मेदारी दी गयी है और शिक्षक प्रत्येक छह ज्ञान बदलते हुए धनात्मक ज्ञान के पर्यावरण में, ज्ञान की दुनिया में वह अपने विश्वसनीय अनुभव को अपनी खुद की क्रियाशीलता से निर्देशित करेगा क्योंकि शिक्षण में हमेशा ज्ञान को update करना होता है।

This approach help the teacher

- स्व निर्देशित aproach स्व निर्देशित शिक्षक को अधिक प्रभावशाली स्वतन्त्र विकासपूर्ण बनाता है।
- इसके माध्यम से परिस्थितियों को कैसे सीखा जाए वे समझते है तथा घुमाने वाली परिस्थितियों को अपने अध्यापन से जोड़ते है।
- इसके माध्यम से वे अपने व्यक्तिगत goal को साफ-२ समझते है तथा अपने सफलता की ओर विकास का मूल्यांकन करते है।
- वे अध्यापन के माध्यम से अपने जीवन में धनात्मक attitude को बढ़ाते है
- इसके माध्यम से अयोग्य शिक्षक अपना विश्लेषण करते है अपने मन में बहस करते है अपने को मूल्यांकित करते है तथा Practice के माध्यम से अपने को बदलते है।

शिक्षक अपने self development के लिए पहले क्या देखेगा, पहला क्या कदम उठायेगा, step of self development aproach.

- Assessment of need यानी अपनी आवश्यकताओं का मूल्यांकन करना।
- Baiking goal and work out his - अपने goal का निर्माण करेगा तथा उसके लिए कार्य करेगा
- Aplication & Evalution: बनायी गयी statges को उपयोग करेगा तथा उसका मूल्यांकन करेगा।

(2) Co-operative development: — Tchr devl. के लिए Co-operative devl.

Is a teem process of teachers. In a group thise members suport or real realy teach other and they achiev a common goal.

टीम का सदस्य होने के नाते अध्यापक की विशेषताएं

- Co-operative devl. में अध्यापक अपना विकास करते है तथा common goal को सभी को बाटते है
- team के सदस्य समस्या के संदर्भ में अपना-२ सहयोग देते है तथा प्रश्नो के माध्यम से सूझ को देते है। एवं उसका हल निकालते है।

Scanned with CamScanner

team के सदस्य समझदारी के साथ काम करते हैं तथा एक दूसरे के प्रश्नों का खुश के साथ जबाब देते हैं और समस्या का हल निकालते हैं।

- एक दूसरे को बोलने के लिए समर्थ बनाते हैं तथा सहयोग करते हैं तथा उनके द्वारा किये गये योगदान को जोड़ते हैं।
- वे खुद तथा दूसरों के प्रति जिम्मेदार होते हैं।
- वे एक दूसरे पर निर्भर रहते हैं तथा स्वयं का विकास करते हैं।

elements of co-operative devt.

(A) Positive independents (सकारात्मक परस्पर निर्भरता)
- Group के सभी सदस्य group की सफलता के लिए इच्छा जाहिर करते हैं, बतलाते हैं।
- Group के सभी सदस्य अपने आपमें Unique होते हैं तथा group को आगे बढ़ाने के लिए सभी लोग मिलकर सहयोग देते हैं।

(B). Face to face Interaction (आमने सामने वार्तालाप)
- आपस में मुंह-जुबान से ही विचार करते हैं कि कैसे समस्या को हल किया जाय
- Teaching को वे अपने खुद के ज्ञान से तथा दूसरों से भी अनुभव करते हैं
- face-to face की अध्ययन की संकल्पनाओं पर विचार करते हैं।

(C) Individual & group accountability :- (व्यक्तिगत एवं सामूहिक जवाबदेही)
- Group की size छोटी होने पर group में व्यक्तिगत उत्तरदायित्व अधिक होता है
- व्यक्तिगत प्रदर्शन के लिए cheker की भूमिका होती है प्रत्येक group के एक 2 विद्यार्थी को प्रदत्त कार्य दें।

(D) Interpersonal small group skill. (पारस्परिक एवं छोटा समूह कौशल)
- सभी में नेतृत्व कौशल
- बातचीत करने का कौशल
- निर्णय लेने की क्षमता
- प्रत्येक में द्वन्द्व की स्थिति के प्रबंधन की

(E) Group Processing -
- Group के सदस्य आपस में बातचीत करेंगे की कैसे वे अपने goal को प्राप्त करें तथा कैसे अपने कार्य के सम्बंधों को बनाये रखें।
- सभी सदस्य जो कार्य कर रहे हैं अपने कार्य का विवरण दें कि यह हमारे लिए लाभदायक या हानिकारक है।
- सभी लोग मिलकर निर्णय लेंगे की कार्य को जारी रखें या बदल दें।

advantage
- समाज के कौशल को बढ़ाने के लिए
- बातचीत के कौशल को बढ़ाने
- Teacher के अवलोकन को बढ़ाने के लिए
- अध्यापक के स्वयं के सम्मान को बढ़ाने के लिए

3) Change oriented

1- सकारात्मक पारस्परिक निर्भरता
2- आमने-सामने वार्तालाप
3- व्यक्तिगत एवं सामूहिक ~~निर्भरता~~ जवाब देही
4- पारस्परिक एवं छोटा समूह कौशल
5- समूह प्रक्रिया

Scanned with CamScanner

Change Oriented Staff Development:

बदलती हुई दुनिया में एक शिक्षक मे क्या-2 परिवर्तन होना चाहिए

- change in Teacher Practices.
- change in teacher attitude, Thought, belifs
- change in student outcome.

तो एक अध्यापक में इन-2 चिजो में परिवर्तन होना चाहिए पर प्रश्न है कि?

what is teacher change? So teacher change is deference (be for & after profession) अतः अध्यापक के विचारो, अभिवृत्तियो, विश्वासो में तथा उनके कार्यों में ज्यादा से ज्यादा सम्भव दिखने वाला परिवर्तन होना चाहिए।

Exa- जैसे हमलोग quality की बात करते है कि लोग girls को ज्यादा छूट नही देते है उनको library मे जाने से रोका गया (AMU)। जैसे एक पुरुष सोता है तथा पत्नि खाना बनाती है इन दोनो शब्दों ने हमारी धारणा, विश्वास दिया है कि mind setup की बात है।

यह chang कब लाने की जरूरत है।

- जब बच्चों में उम्मीद के अनुसार outcome नही मिलता है
- Methods जब नही समझ में आते तब बतलाना चाहिए
- जब child का class में Participation कम होता है

एक अध्यापक में परिवर्तन की आवश्यकता क्यों?

- वर्तमान परिस्थिति के प्रति सन्तुष्ट न होने पर
- और teaching के सन्दर्भ में।— Teacher centered & child center

Exa— जैसे यदि Curriculum change होजाये तो इससे कई समस्याएं जुड़ जाती है इसके सन्दर्भ में methods बदलना होगा। पहले Content के accuracy पर ध्यान देते थे अब communication & accuracy दोनो पर ध्यान दिया जाने लगा है पहले evaluation साल में एक बार होता था अब कई बार होता है तथा कई activities भी कराई जाती है।

Conflict between the teacher New belive and thier Practice

- अध्यापक के नये विश्वासों एवं उनके अभ्यास में अन्तर होता है।
- इसके तहत activities based learning अपनाई जाती है। इस समय Technology
- based learning होगयी है
- democratic way में परिवर्तन हुआ है।

Teacher को change करने के लिए Program—

- Study Circle
- Collaborative Problem Solving groups.
- अध्यापक अपने पिछले कार्यो को रोज करके अथवा Reflective thinking के माध्यम से change किया जाता है